Downloaded from www.studiestoday.com

यूनिट 4

बाजार के प्रमुख रूप तथा पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत निर्धारण

स्मरणीय बिंदु

- बाजार से अभिप्राय एक ऐसी व्यवस्था से है जिसमें एक वस्तु के क्रेता व विक्रेता वस्तु के क्रय विक्रय हेतु एक दूसरे के संपर्क में रहते हैं।

बाजार के प्रमुख रूप

पूर्ण प्रतियोगिता — अपूर्ण प्रतियोगिता

- एकाधिकार बाजार
- एकाधिकारी प्रतियोगिता
- अल्पाधिकार

- पूर्ण प्रतियोगिता से अभिप्राय बाजार के उस स्वरूप से है जिसमें बहुत से विक्रेता अपनी समरूप वस्तुओं को एक समान कीमत पर बिना किसी प्रतियोगिता के ऐसे क्रेताओं को बेचते हैं जिन्हें बाजार का पूर्ण ज्ञान होता है।
- पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत स्थिर रहने के कारण औसत व सीमांत संप्राप्ति समान रहते हैं। अत: इनके वक्र Ox अक्ष के समांतर होते हैं।

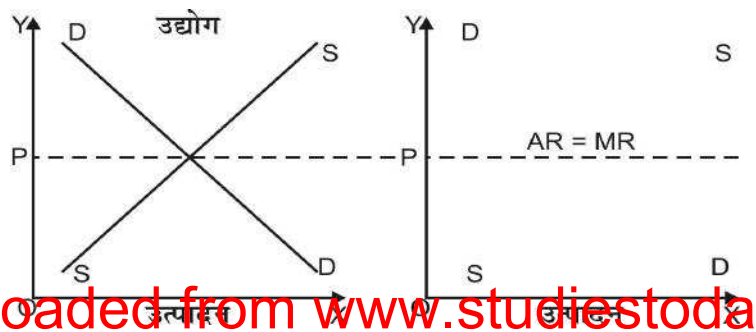

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत निर्धारण उद्योग (क्रेता-विक्रेताओं का समूह) द्वारा किया जाता है जो कि मांग एवं पूर्ति की शक्तियों से प्रभावित होता है। कोई भी व्यक्तिगत फर्म या उपभोक्ता किसी वस्तु की कीमत या पूर्ति को प्रभावित नहीं कर पाता। अतः उद्योग कीमत निर्धारक तथा फर्म कीमत स्वीकार होती है।

एकाधिकार बाजार *(Monopoly Market)*

1. यह बाजार का वह रूप है जिसमें वस्तु का अकेला उत्पादक या विक्रेता होता है। वस्तु की निकट स्थानापन्न वस्तु का अभाव पाया जाता है।
2. एकाधिकार बाजार में वस्तु की पूर्ति पर पूर्ण नियंत्रण होने के कारण फर्म को दीर्घकाल में भी असामान्य लाभ प्राप्त होते हैं।
3. एकाधिकार बाजार में वस्तु की मांग इकाई से कम लोचदार (ed<1)होती है। अतः मांग वक्र का ढाल अत्यंत तीव्र होता है।
4. वस्तु की प्रति इकाई कीमत स्थिर ना रहने के कारण एकाधिकार बाजार में औसत व सीमांत संप्राप्ति वक्र ऋणात्मक ढाल वाले होते हैं।
5. एकाधिकार बाजार में फर्म अपनी वस्तु की कीमत भिन्न-भिन्न ग्राहकों से भिन्न-भिन्न वसूल तो है अर्थात कीमत विभेद पाया जाता है?

एकाधिकारी प्रतियोगिता *(Monopoly Competition)*

1. यह बाजार की वह अवस्था है जिसमें फर्मों की संख्या अधिक होती है और सभी फर्म कड़े प्रतियोगी वातावरण में अपनी भिन्न-भिन्न रूप, आकार या रंग वाली वस्तुएं (वस्तु विभेद) ऐसे क्रेताओं को बेचती हैं जिन्हें बाजार का अपूर्ण ज्ञान होता है।
2. इस प्रतियोगिता में विक्रय लागतें बहुत अधिक होती हैं।
3. एकाधिकारी प्रतियोगिता में सभी फर्म एक दूसरे की कीमत को ध्यान में रखकर अपनी वस्तु की कीमत निर्धारित करती है।
4. एकाधिकारी प्रतियोगिता में वस्तु की मांग इकाई से अधिक लोचदार होने के कारण मांग वक्र सरल ढाल वाला होता है। क्योंकि यहां स्थानापन्न वस्तुएं बहुत मात्रा में उपलब्ध होते है।

अल्पाधिकार *(Oligopoly)*

1. अल्पाधिकार बाजार का ऐसा स्वरूप है जिसमें वस्तु के विक्रेताओं की संख्या दो से अधिक लेकिन बहुत अधिक नहीं होती। सभी फर्म वस्तु की बाजार पूर्ति का एक निश्चित मात्रा में उत्पादन करती है।
2. सभी फर्में समरूप या विभेदात्मक वस्तुओं का उत्पादन करती है।
3. अल्पाधिकार बाजार में विक्रय लागतें बहुत अधिक होती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

4. अल्पाधिकारी बाजार में नई फर्म का प्रवेश असंभव नहीं लेकिन कठिन होता है।

5. अल्पाधिकार बाजार में मांग वक्र अनिश्चित होता है।

6. अल्पाधिकार बाजार में कीमत निर्धारण हेतु फर्मों में अन्तनिर्भरता होती है।

7. अल्पाधिकार को दो भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

1. सहयोगी अल्पाधिकार : अल्पाधिकार का वह रूप जिसमें सभी फर्म आपसी सहयोग के आधार पर उत्पादन की मात्रा तथा कीमत निर्धारित करती है।

2. असहयोगी अल्पाधिकार : अल्पाधिकार का वह रूप जिसमें कीमत तथा उत्पाद की मात्रा निर्धारित करते समय फर्मों के बीच सहयोगी व्यवहार की अपेक्षा प्रतियोगी व्यवहार होता है तथा प्रत्येक फर्म अपनी प्रतियोगी फर्मों की प्रतिक्रिया को ध्यान में रखती है।

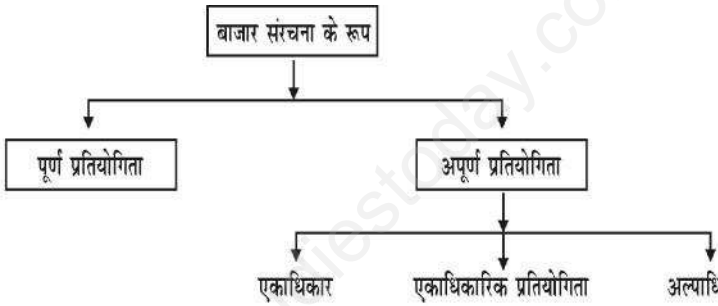

आधार	पूर्ण प्रतियोगिता	एकाधिकार	एकाधिकारिक प्रतियोगिता	अल्पाधिकार
1. विक्रेताओं की संख्या	1. अधिक संख्या	1. एक विक्रेता	1. अधिक संख्या	1. सीमित बड़े विक्रेता
2. उत्पाद/वस्तु की प्रकृति	2. समरूप वस्तु	2. वस्तु का स्थानापन्न नहीं	2. वस्तु विभेद	2. समरूप व विभेदीकृत
3. फर्मो का प्रवेश तथा बहिर्गमन	3. स्वतंत्र प्रवेश एवं बहिर्गमन	3. प्रवेश तथा बहिर्गमन पर प्रतिबंध	3. स्वतंत्र प्रवेश तथा बहिर्गमन	3. प्रवेश तथा बहिर्गमन पर प्रतिबंध
4. फर्म का मांग वक्र	4. पूर्ण तथा लोचदार	4. बेलोचदार	4. लोचदार	4. अपरिभाषित
5. मांग वक्र की ढाल	5. सीधी रेखा AR=MR	5. कम लोचशीलता के साथ नीचे की और ढालू AR=MR	5. उच्च लोचशीलता के साथ नीचे की ओर ढालू AR>MR	5. अनिश्चितता
6. विक्रय लागतें	6. आवश्यक नही	6. आवश्यक नहीं कीमत पर पूर्ण नियंत्रण होता है।	6. बहुत अधिक	6. अधिक
7. कीमत नियंत्रण की स्थिति	7. नियंत्रण नही		7. कीमत पर सीमित नियंत्रण होता है।	7. कीमत अधिक कठोरता व अंत निर्भरता
	8. उद्योग द्वारा निर्धारित			

- संतुलन कीमत :- वह कीमत है जिस पर बाजार माँग तथा बाजार पूर्ति बराबर होते है।
- संतुलन मात्रा :- वह मात्रा है जो संतुलन कीमत के अनुरूप होती है।
- बाजार संतुलन :- वह अवस्था है जिसमें बाजार मांग तथा बाजार पूर्ति बराबर होते है। बाजार में अतिरिक्त मांगे या अतिरिक्त पूर्ति की स्थिति नही है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

एक अंक वाले प्रश्न

1. बाजार को परिभाषित कीजिए।
2. समरूप उत्पाद से क्या अभिप्राय है?
3. पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत किस प्रकार निर्धारित होती हैं?
4. पूर्ण व एकाधिकारी प्रतियोगिता में कौन सी विशेषताएं समान होती हैं।
5. यदि वर्तमान फर्में असामान्य लाभ कमा रही हो तो उद्योग में फर्मों की संख्या पर किस प्रकार परिवर्तन होगा?
6. एकाधिकार बाजार को परिभाषित कीजिए।
7. किस बाजार में फर्म व उद्योग के बीच अंतर नहीं होता।
8. सामान्य लाभ क्या हैं?
9. किस बाजार में फर्म कीमत स्वीकारक होती है।
10. व्यापार (cartel) गुट क्या होता है?
11. एकाधिकार बाजार में AR वक्र और मांग वक्र में क्या संबंधा होगा?
12. कीमत विभेद से क्या अभिप्राय है?
13. अल्पाधिकार को परिभाषित कीजिए।
14. संतुलन कीमत से क्या अभिप्राय है?
15. आधिक्य पूर्ति की स्थिति कब जन्म लेती है?
16. संतुलन कीमत पर क्या प्रभाव पड़ेगा यदि मांग में वृद्धि, पूर्ति में वृद्धि से अधिक है?
17. मांग और पूर्ति दोनों में एक साथ वृद्धि होने पर किस स्थिति में संतुलन कीमत अप्रभावित रहती है।

उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल *(H.O.T.S.)*

1. एकाधिकारी प्रतियोगिता में औसत संप्राप्ति व मांग वक्र में क्या संबंध होता है?
2. कीमत विभेद की नीति की सफलता, मांग की लोच पर किस प्रकार निर्भर करती है?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3-4 अंक वाले प्रश्न

1. बाजार में निर्बाध प्रवेश की स्वतंत्रता पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म के लाभ पर क्या प्रभाव डालती है।
2. एकाधिकारी प्रतियोगिता का मांग वक्र पूर्ण प्रतियोगिता के मांग वक्र से किस प्रकार भिन्न होता है?
3. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म कीमत स्वीकारक क्यों होती है?
4. पूर्ण प्रतियोगिता में बाजार का पूर्ण ज्ञान क्रेता के लिए किस प्रकार लाभदायक होता है स्पष्ट कीजिए।
5. पूर्ण प्रतियोगिता में 'बड़ी संख्या में विक्रेता' विशेषता के परिणाम समझाइए।
6. मांग तथा पूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ेगा यदि बाजार में प्रचलित कीमत संतुलन कीमत से अधिक है।
7. अल्पाधिकार बाजार एकाधिकार बाजार से किस प्रकार भिन्न है?
8. आधिक्य मांग को चित्र की सहायता से समझइये।
9. सहयोगी गठबंधन व गैर गठबंधान अलपाधिकार में अंतर बताइये।
10. पूर्ण प्रतियोगी बाजार में संतुलन कीमत का निर्धारण किस प्रकार होता है? तालिका की सहायता से समझाइये।
11. समझाइए कि किसी वस्तु की संतुलन कीमत उसी उत्पादन स्तर पर क्यों निर्धारित होती है जिस पर उस वस्तु की मांग और पूर्ति बराबर होती है।

उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल *(H.O.T.S.)*

11. पूर्ण प्रतियोगिता में MR = AR परन्तु एकाधिकार व एकाधिकारिक प्रतियोगिता में MR<AR क्यों होता है?
12. किस स्थिति में मांग में कमी होने पर भी वस्तु की कीमत में कमी नहीं होती।
13. एक अल्पाधिकार बाजार में फर्मे परस्पर निर्भर क्यों रहती है?
14. निकटतम स्थानापन्न वस्तु की उपलब्धता किस प्रतियोगिता में पायी जाती है? यह कीमत पर क्या प्रभाव डालती है।
15. पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति में 'फर्मो के प्रवेश और निकासी की स्वतंत्रता के परिणाम समझाइए।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

6 अंक वाले प्रश्न

1. एकाधिकारिक प्रतियोगिता की विशेषताओं का वर्णन करो।
2. पूर्ण प्रतियोगिता में निम्न लिखित विशेषताएं समझाइए।

   (क) क्रेताओं और विक्रेताओं की बड़ी संख्या

   (ख) समरूप उत्पाद
3. अल्पाधिकार की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
4. एक वस्तु का बाजार संतुलन में है। उस वस्तु की पूर्ति में 'वृद्धि' हो जाती है। इस परिवर्तन के कारण पड़ने वाले प्रभावों की श्रृंखला की व्याख्या कीजिए। एक संख्यात्मक उदाहरण दीजिए।
5. एक वस्तु का बाजार संतुलन में है। उस वस्तु की मांग और पूर्ति में एक साथ 'वृद्धि होती है। बाजार कीमत पर उसका प्रभाव समझाइए।
6. बाजार संतुलन का अर्थ समझाइए। उन परिवर्तनों की श्रृंखला की व्याख्या कीजिए जो बाजार कीमत के संतुलन कीमत से अधिक होने पर होगें।
7. चाय की कीमत मे कमी कॉफी की संतुलन कीमत को कैसे प्रभावित करेगी? प्रभावों की श्रृंखला समझाइए।
8. एक वस्तु की मांग में ''कमी'' के उसकी संतुलन कीमत और मात्रा पर प्रभाव की एक रेखाचित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए।
9. मांग व पूर्ति में एक साथ कमी होने पर किस स्थिति में निम्न परिणाम प्राप्त होंगे।

   (क) साम्य कीमत में कोई परिवर्तन नहीं

   (ख) संतुलन कीमत में कमी

1 अंक वाले प्रश्नों के उत्तर

1. बाजार से अभिप्राय ऐसी व्यवस्था से है जिसमें क्रेता व विक्रेता वस्तु के क्रय व विक्रय हेतु एक दूसरे के सम्पर्क में आते हैं।
2. जब सभी फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुएं एक दूसरे की पूर्ण स्थानापन्न हो अर्थात रंग, रूप, आकार, वजन, पैकिंग के आधार पर समान हो।
3. पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत, उद्योग द्वारा, मांग व पूर्ति की शक्तियों के आधार पर निर्धारित की

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

जाती है।

4. (क) फर्मों का निर्बाध प्रवेश व बहिर्गमन

(ख) साधनों की पूर्ण गतिशीलता

5. उद्योग में फर्मों की संख्या बढ़ जायेगी। क्योंकि असामान्य लाभ कमाने के लिए नई फर्में उद्योग में प्रवेश करेंगी।

6. बाजार का वह रूप जिसमें वस्तु का अकेला विक्रेता होता है। वस्तु की निकटतम स्थानापन्न वस्तु का अभाव पाया जाता है।

7. एकाधिकार बाजार

8. यह वह न्यूनतम लाभ है जो फर्म को उद्योग में रहने के लिए आवश्यक है। सामान्य लाभ अस्पष्ट लागतों के रूप में कुल लागत का एक भाग है।

9. पूर्ण प्रतियोगिता में।

10. यह व्यापारियों का ऐसा गुट है जो मिलकर वस्तु के उत्पादन स्तर और कीमत का निर्धारण करके बाजार में एकाधिकारी शक्तियों का प्रयोग करता है।

11. एकाधिकारी बाजार में AR वक्र व मांग वक्र एक ही होते हैं।

12. कीमत विभेद विक्रय की ऐसी नीति है जिसके अंतर्गत विक्रेता एक समान वस्तुओं को अलग-अलग क्रेताओं को अलग-अलग कीमतों पर बेचता है।

13. अल्पाधिकार वह बाजार है जिसमें वस्तु के विक्रेता या उत्पादकों की संख्या दो से अधिक किन्तु बहुत अधिक नहीं होती। सभी फर्में समरूप या विभेदीकृत वस्तुओं का उत्पादन करती हैं।

14. जिस कीमत पर वस्तु की बाजार मांग व बाजार पूर्ति बराबर होती है।

15. जब वस्तु की प्रचलित कीमत संतुलन कीमत से अधिक हो जाने पर पूर्ति मांग से अधिक हो जाए।

16. यदि मांग में वृद्धि पूर्ति में वृद्धि से अधिक हो तो संतुलन कीमत बढ़ जायेगी।

17. मांग व पूर्ति दोनों में एक समान अनुपात में वृद्धि की स्थिति में संतुलन कीमत अप्रभावित रहती है।

उच्च स्तरीय बुद्धि कौशल *(H.O.T.S.)*

1. दोनों ऋणात्यक ढाल वाले होते हैं।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

3-4 अंक वाले प्रश्नों के लिये संकेत *(Hints)*

13. क्योंकि वस्तु विशेष को बेचने वाली चंद फर्में होती हैं इसलिए आपसी मेल जोल और सामूहिक व्यवहार नई फर्मों को प्रवेश करने से रोकने का प्रयास करते हैं।

6 अंक वाले प्रश्नों के लिए संकेत

6. स्थानापन्न वस्तु की कीमत में कमी होने पर उस वस्तु की मांग कम हो जायेगी अतः संतुलन कीमत कम हो जायेगी और स्थानापन्न वस्तु की कीमत बढ़ने पर वस्तु की संतुलन कीमत बढ़ जायेगी।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com